Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 07-05-2007

Participants : Budholiya Shri Rajnarayan

>

Title: Need to give assistance, financial & otherwise and other agricultural facilities to the betel leave growers of Mahoba, Uttar Pradesh.

श्री राजनारायन बुधौलिया (हमीरपुर, उ0प्र0) : महोदय, उत्तर प्रदेश के अति पिछड़े क्षेत्र बुंदेलखंड में मेरे संसदीय क्षेत्र महोबा में औाधीय गुणों से युक्त पान की खेती सदियों से होती चली आ रही है। यहां की मिट्टी पान उत्पादन के लिए विश्व प्रसिद्ध है, किन्तु पिछले तीन-चार सालों से सूखे ने लगभग 500 एकड़ में महोबा व आसपास के क्षेत्र में होने वाली पान की फसल को नट किया है। महोबा का पान अपने कड़क व करारेपन के कारण देश-विदेश में बहुत पसंद किया जाता है। इसी पान को विदेशों में निर्यात किया जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है। किंतु पान बरेजों की सिंचाई के लिए बनाए गए कुएं, कुइयां सूख जाने से औाधीय देशावरी पान की खेती मुरझा गई है, वहीं पान से जुड़े पांच हजार किसानों के सामने जीविका का संकट खड़ा हो गया है। चार सालों में ओलावृटि, पाला, अतिवृटि के कारण फसल चौपट हो गई है। वर्ा 2003 में जबरदस्त ठंड एवं कोहरे की चपेट से 90 फीसदी व 12 फरवरी, 2007 में ओलावृटि के कारण 80 फीसदी फसल नट हो गई। पान किसान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से मिल कर दिन-प्रतिदिन अपनी इस समस्या से अवगत करा रहे हैं, उनमें आक्रोश व्याप्त है। वे अपने परिवार का भरण पोाण करने में पूरी तरह से अक्षम हैं।

मेरा सदन के माध्यम से माननीय कृाि मंत्री जी से अनुरोध है कि पान की खेती को जीवित रखने के लिए पान पैदा करने वाले किसानों (चौरसिया) को तुरंत आवश्यक आर्थिक सहायता एवं आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों के स्थायी बरेजों का निर्माण ए वं पर्याप्त सिंचाई के साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु आवश्यक कदम उठाने का कट करें।